NBT
नवभारत टाइम्स
www.delhi.nbt.in । नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 14 फरवरी 2022

## डीडीएमए का निर्देश, लंच के लिए ओपन स्पेस का किया जाए इस्तेमाल

# आज से खुल रहे हैं 8वीं तक के स्कूल

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में सोमवार से 8वीं तक के स्कूल खुल रहे हैं। एक हफ्ते पहले 9वीं से 12वीं तक के स्कूल खुल चुके हैं और अभी 50 से 60 प्रतिशत तक सीनियर स्टूडेंट्स अपने-अपने स्कूलों में जा रहे हैं। वहीं दिल्ली में अब छोटी क्लास के लिए भी स्कूल खुल रहे हैं और दिल्ली सरकार ने सभी स्कूलों को सलाह दी है कि स्कूल आते ही बच्चों पर सिलेबस का बोझ न लादा जाए। दिल्ली सरकार के शिक्षा सलाहकार शैलेंद्र शर्मा का कहना है कि छोटे बच्चे करीब दो साल के बाद स्कूलों में जाएंगे और स्कूलों की यह जिम्मेदारी है कि बच्चों की मानसिक और भावनात्मक सेहत पर सबसे पहले ध्यान दिया जाए। बच्चों पर सिलेबस पूरा करने को लेकर कोई प्रेशर न बनाया जाए।

स्कूलों का कहना है कि लंबे समय के बाद छोटे बच्चे स्कूल आएंगे और उनके अभिभावकों से लिखित सहमति ली जा रही है। अभिभावक लिखित सहमति दे रहे हैं। वीएसपीके इंटरनैशनल स्कूल रोहिणी के चेयरमैन एस. के. गुप्ता का कहना है कि कोविड के इस दौर में बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह से प्रभावित हुई है और अब अभिभावक भी इस पक्ष में है कि उनके बच्चे स्कूल आएं। उनकी सहमति मिल रही है और धीरे-धीरे स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ेगी।

एम. एम. पब्लिक स्कूल पीतमपुरा की प्रिंसिपल रूमा पाठक का कहना है कि करीब 60 फीसदी अभिभावकों की सहमति मिल गई है और वे अपने बच्चों को स्कूल भेजने को तैयार है। आने वाले दिनों में यह पता चलेगा कि कितने बच्चे स्कूल आ रहे हैं। स्कूलों ने डीडीएमए की गाइडलाइंस के मुताबिक सारी तैयारियां की है। डीडीएमए ने निर्देश दिए हैं कि बच्चों के लंच के लिए ओपन स्पेस का प्रयोग किया जाए। लंच करते समय बच्चे मॉस्क को उतारेंगे और ऐसे में स्कूल में खुली जगह पर ही लंच करने के लिए बच्चों को ले जाया जाए। साथ ही लंच के लिए अलग- अलग क्लासेज का समय भी अलग हो।

वहीं इस हफ्ते डीडीएमए की मीटिंग भी हो सकती है। इस मीटिंग में नाइट कर्फ्यू हटाने की मांग पर चर्चा हो सकती है। साथ ही बाजारों की टाइमिंग बढ़ाने की मांग भी सामने आ रही है। शादियों के सीजन में नाइट कर्फ्यू के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सभी वीकली बाजारों को भी शुरू करने की मांग उठ रही है। एक सीनियर अधिकारी का कहना है कि डीडीएमए की अगली मीटिंग में कोविड की मौजूदा स्थिति को देखते हुए पाबंदियों में ढील देने का फैसला लिया जाएगा।

डीडीएमए की गाइडलाइंस के मुताबिक स्कूलों में की जा रही हैं सारी तैयारियां

- सीनियर क्लासेज में अभी 50 से 60 प्रतिशत तक आ रहे है स्टूडेंट्स
- सभी स्कूलों को सलाह दी गई कि बच्चों पर सिलेबस का बोझ न लादा जाए
- इस हफ्ते हो सकती है डीडीएमए की बैठक

## NDMC ने स्कूलों में की खास तैयारी

■ **विस, नई दिल्ली :** बहुत से बच्चे ऐसे हैं जो कोविड के चलते पिछले दो सालों से स्कूल नहीं आ पाए हैं। इसे देखते हुए एनडीएमसी ने भी अपने स्कूलों में छोटे बच्चों के आगमन को लेकर कई तरह की तैयारियां की हैं।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने बताया कि अपने सभी स्कूलों के प्रमुखों और हेड मास्टर्स को जरूरी निर्देश जारी किए हैं। नर्सरी और केजी में तो ज्यादातर बच्चे ऐसे होंगे, जो पिछले दो सालों से स्कूल बंद होने के कारण अब पहली बार स्कूल आ रहे हैं। ऐसे बच्चों के संबंध में विशेष रूप से यह सलाह दी गई है कि अभी शुरुआत में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों, जैसे कि योग, प्रार्थना, परिचय आधारित चर्चा, माता-पिता के साथ नियमित बातचीत, इनडोर और आउटडोर गेम्स आदि के जरिए बच्चों को पहले स्कूल और क्लास के माहौल में ढालें और उसके बाद ही उनकी पढ़ाई पर फोकस करें।

# डेली केस की संख्या 1 महीने में 28,000 घटी

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में कोरोना के हालात काफी हद तक नियंत्रण में आ गए हैं। केवल एक महीने में दिल्ली में रोजाना आने वाले नए मामले में 28 हजार तक की कमी दर्ज हुई है। पिछले महीने 13 जनवरी को दिल्ली में कोरोना के 28,867 नए मामलों की पुष्टि हुई थी, जो अब तक किसी एक दिन में सर्वाधिक है। लेकिन ठीक एक महीने बाद 13 फरवरी को दिल्ली में एक दिन में सिर्फ 804 नए मामलों की पुष्टि हुई है। 28,063 मामले की कमी दर्ज हुई है, जो यह दर्शा रहा है कि दिल्ली में अब महामारी नियंत्रण में है।

न केवल नए मरीज बल्कि संक्रमण दर में भी भारी गिरावट दर्ज हुई है। 13 जनवरी को दिल्ली में संक्रमण दर 29.21 फीसदी दर्ज हुई थी। एक महीने बाद 13 फरवरी को संक्रमण दर 1.50 फीसदी पर आ गई है। हालांकि, 13 जनवरी को 98,832 सैंपल की जांच की गई थी, लेकिन 13 फरवरी को सिर्फ 53,719 सैंपल की ही जांच की गई है। लेकिन इस एक महीने में दिल्ली में संक्रमण दर में 27.71 फीसदी की कमी दर्ज हुई है। राहत की बात यह है कि नए मरीजों की कमी और संक्रमण दर में गिरावट का दौर लगातार जारी है और यह लंबे समय से बना हुआ है, जिसका ट्रेंड संक्रमण की कमी को दर्शा रहा है।

रविवार को जारी कोविड बुलेटिन के अनुसार पिछले 24 घंटे में दिल्ली में कोरोना के 1197 मरीज ठीक हुए। लेकिन 12 अन्य मरीजों की मौत हो गई। अब दिल्ली में कोविड के कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 18,51,320 तक पहुंच चुकी है और अब तक 18,21,322 मरीज इलाज के बाद ठीक हो चुके हैं। वहीं इस वायरस की वजह से अब तक 26,072 मरीजों की मौत हो चुकी है। अब दिल्ली में कोविड के एक्टिव मरीजों की संख्या 4 हजार से नीचे आ गई है। सिर्फ 3926 मरीज एक्टिव हैं। इसमें से 2590 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। 451 मरीज इलाज के लिए अस्पतालों में एडमिट हैं। 45 मरीज वेंटिलेटर पर हैं और इन्हें मिलाकर कुल 172 मरीज ऑक्सिजन सपोर्ट पर हैं।

### सुधर रहे हैं हालात

- 13 जनवरी को आए थे 28,867 केस, 13 फरवरी को आए सिर्फ 804
- एक महीने में संक्रमण दर में भी 27.71% की कमी हुई
- दिल्ली में अब सिर्फ 3926 एक्टिव मरीज हैं